GOVT.POSTGRADUATE COLLEGE KHARGONE (M.P)

REPORT OF

PERSONALITY

DEVELOPMENT

PRINCIPAL,

Dr. R. S. DEVRA

PROGRAMME OFFICERES

DR. U.S.BAGHEL

2016-17

S.No	Activity	Date
1	अंधकार से प्रकाश कि ओर विषय पर व्याख्यान	27/10/2016
2	व्यक्तिव विकास में अनुशासन की भूमिका	04/01/2017
3	मन चंगा तो कटौती में गंगा	28/02/2017

<u>Title of Activity:</u> Personality Development ("अंधकार से प्रकाश कि ओर विषय पर व्याख्यान ")

- **Date: 27/10/2016**
- **Venue:** Govt. P. G. College khargone
- **Activity Experience:**
  1. **Number of students participated- 138**
  2. **Number of teachers participated- 14**
- **Chief Guests: 1) डॉ. शैल जोशी**
  2) डॉ. यू. एस. बघेल

डॉ. यू. एस. बघेल द्वारा 'अंधकार से प्रकाश कि ओर विषय पर ' व्याख्यान दिया गया जिसमें विद्यार्थियों को आन्तरिक गुणों का विकास कर अपने जीवन को सुखमय बनाना जिससे अपना घर व समाज का अंधकार दुर होगा, साथ ही कुछ उदाहरणों के माध्यम से प्राजेक्ट द्वारा समझाया गया , कार्यक्रम में विद्यार्थी व स्टाफ उपस्थित थें।

<u>Title of Activity:</u> Personality Development ("व्यक्तिव विकास में अनुशासन की भूमिका")

- **Date: 04/01/2017**
- **Venue:** Govt. P. G. College khargone
- **Activity Experience:**
  - **1. Number of students participated- 75**
  - **2. Number of teachers participated- 02**
- **Chief Guests: 1) डॉ. डी. एस. बामनिया**
  - **2) प्रो. एच. एस. कुशवाह**
  - **3) डॉ. मुकामसिंह भंवर**

डॉ. डी. एस. बामनिया द्वारा 'व्यक्तिव्य विकास में अनुशासन की भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया गया, और कहॉ कि छात्र/छात्राएँ बिना अनुशासन के अपने भविष्य का निर्माण नही कर सकते। विद्यार्थियों द्वारा भी चर्चा कर अनुशासन बनाये रखने की प्रतिज्ञा मनवाई।

Title of Activity: Personality Development ("मन चंगा तो कटौती में गंगा")

- **Date: 28/02/2017**
- **Venue:** Govt. P. G. College khargone
- **Activity Experience:**
  1. **Number of students participated- 156**
  2. **Number of teachers participated- 03**
- **Chief Guests: Dr.Mahesh Gupta**
  Dr. U.S.Baghel
  Dr. Kamlesh Depale

मन चंगा तो कटौती में गंगा विषय पर व्याख्यान डॉ.महेश गुप्ता द्वारा दिया गया। इन्होने कहा कि इंशान दर दर भटकता है मन कि शान्ति पाने के लिए फिर भी वह बेचेन रहता है। अत: यह कहावत चरित्रार्थ हुई कि मन चंगा तो कटौती में गंगा ।